एक से एक पढ़े
भाग-2

एक से एक पढ़े

भाग-2

स्टेट रिसोर्स सेन्टर
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली-25

EK SE EK PADHE — *Primer II for the Mass Literacy Programme*

First Edition	*10,000 April, 1986*
Second Edition	*5,000 May, 1988*
Third Edition	*5,000 Sept, 1988*
Fourth Edition	*5,000 Oct, 1988*
Fifth Edition	*10,000 Feb, 1989*
Sixth Edition	*10,000 May, 1989*
Seventh Edition	*7,000 Sept, 1989*
Prepared by	*Nishat Farooq* *Kumar Sameer*
Artist	*Sadre Alam* *Abdul Qayyum*

STATE RESOURCE CENTRE
JAMIA MILLIA ISLAMIA
NEW DELHI-110025

Published by State Resource Centre, Jamia Millia Islamia, New Delhi-110025 on behalf of the Director and printed at Diamond Lithograhphes, Pvt. Ltd., A-17, Phase-II, Naraina Industrial Area, New Delhi-110028

पढ़ाने वालों से दो शब्द

इस पुस्तक में पहले छोटे-छोटे शब्दों और वाक्यों का प्रयोग किया गया है। पहले केवल दो अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाये गए हैं, फिर तीन और फिर चार अक्षरों को जोड़कर। शुरू-शुरू में बिना मात्रा के शब्दों का और फिर क्रमानुसार मात्रा सिखा कर उन्हीं सीखी हुई मात्राओं समेत शब्दों का प्रयोग किया गया है।

दूसरी बात यह है कि "है", "में" तथा "हो" शब्दों का प्रयोग आरम्भ के पाठ से ही किया गया है। आप इन शब्दों के हिज्जे न करायें। इनको पूरा-पूरा सिखायें।

हर पाठ को पहले आप स्वयं ठीक ढंग से पढ़कर पढ़ने वालों को सुनायें। जहाँ रुकना है वहाँ रुकें, जहाँ जोर देना है वहाँ जोर दें। फिर प्रौढ़ों से पाठ पढ़वायें।

यह प्रयत्न किया गया है कि प्रत्येक पाठ पढ़ने वालों के लिए रुचिकर और लाभदायक हो। इसलिए हर पाठ में कुछ विचार दिए गए हैं। आप से आशा की जाती है कि पाठ में दिए विचारों को आप बातचीत द्वारा उभारेंगे। जैसे, पाठ 8 में इस बात पर जोर दिया गया है कि सब मिलकर आवाज उठायें तब ही काम बनता है। पाठ 11 में इस बात पर जोर दिया गया है कि समय के साथ समाज बदलता रहता है। पाठ 15 में यह बताया गया है कि असल ताकत जनता के हाथ में होती है। जनता को अपने अधिकार समझने और जानने चाहियें। पाठ 22 में इस ओर ध्यान आकर्षित किया गया है कि जनता का देश के प्रति क्या कर्तव्य है। देशवासियों के व्यवहार से ही देश ऊँचा उठता है या नीचे गिरता है।

पढ़ने वालों के लिए जरूरी है कि वे जो भी पढ़ें उसे समझें भी। इसलिए पाठ के अंत में अभ्यास-प्रश्न दिये गए हैं। इससे पढ़ने वालों को सोचने की शक्ति बढ़ती है। उनमें स्वयं फैसला करने की क्षमता आती है। इसलिए अभ्यास-प्रश्न अवश्य कराइये।

गणित की योग्यता बढ़ाने के लिए रकम के जोड़, घटाव, मैट्रिक पैमाने, घर का हिसाब रखना, घड़ी देखना आदि सिखाया गया है।

पाठ-1
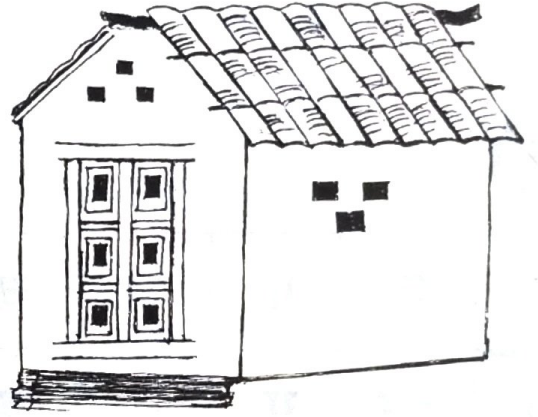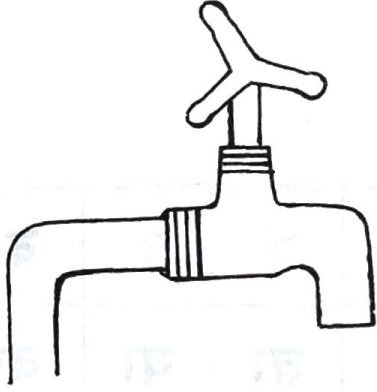
यह नल है । यह आग है । यह घर है ।

नल में जल है ।

घर में नल है ।

घर में आग है ।

अभ्यास

चित्रों के नाम पूरे करो :

आ_____ घ_____ न_____
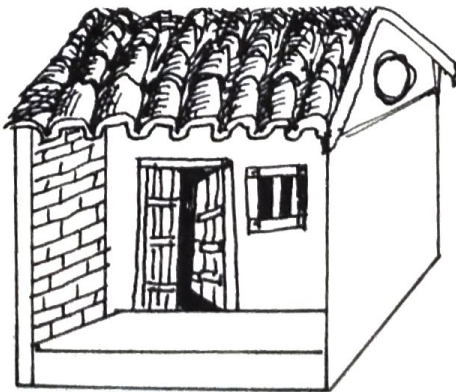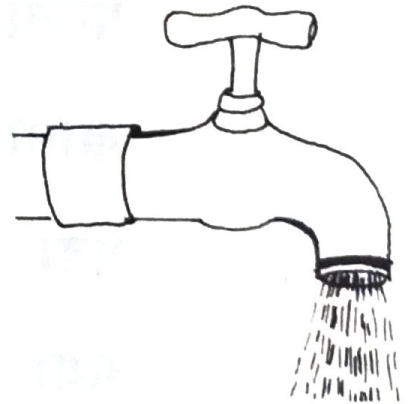
पाठ-2

आ ा

पढ़ो :

	क	ग	घ	च	छ	ट	ड	त	य	द
ा	का	गा	घा	चा	छा	टा	डा	ता	या	दा

का वाह

काम लगा

बात बना

मज़ा जाता

आया बनता

चढ़ना साफ

पढ़ना रहा

खाना ज़माना

पढ़ा आराम

गया बढ़ा

पाठ-3
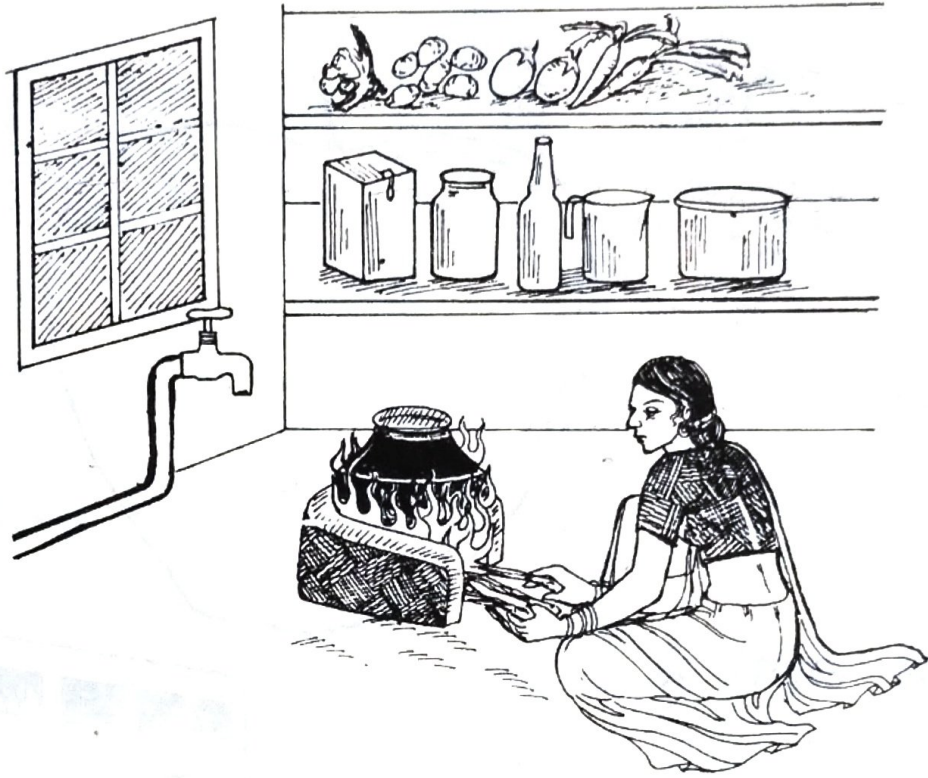
इस घर में नल है ।

इस नल में जल है ।

इस घर में आग है ।

इस घर में मज़ा है ।

अभ्यास

लिखो :

नल --

जल --

पाठ-4
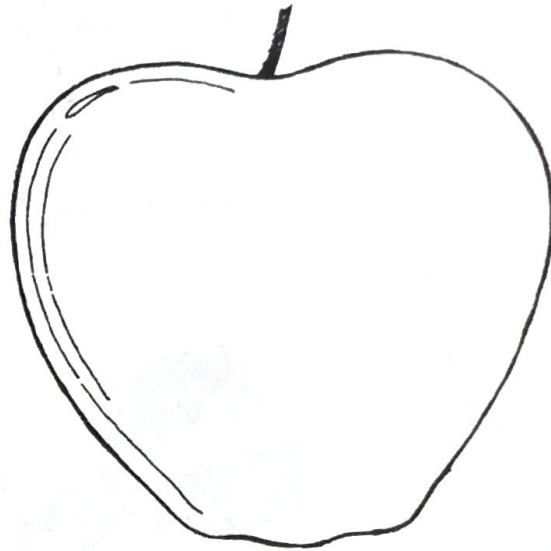
एक खत आया है ।

एक फल आया है ।

एक बस आई है ।
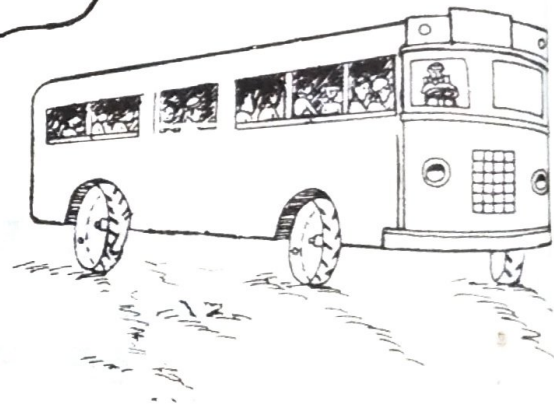
अभ्यास

ा की मात्रा लगा कर नए शब्द बनाओ :

	एक	चर	कल	नाल	हर	रह
ा	एका					

पाठ-5
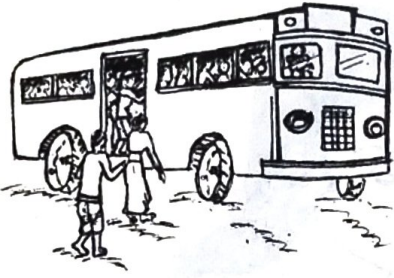
बस आई है ।

बस पर चढ़ना है ।

खत आया है ।

खत पढ़ना है ।

फल आया है ।

फल खाना है ।

अभ्यास

चित्रों के नाम लिखो :

---------- ---------- ----------
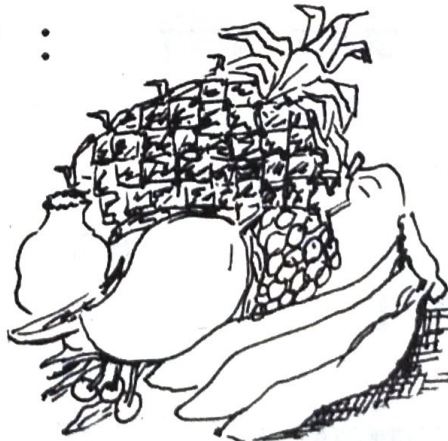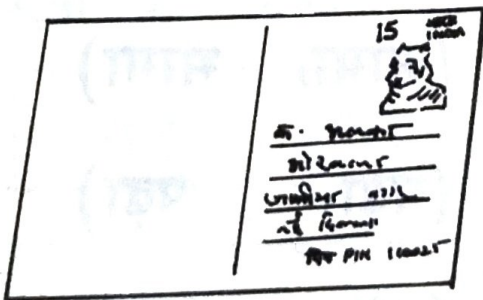
पाठ-6

आप का खत आया ।

पढ़ा गया ।

समझ में आया ।

मज़ा आया ।

वाह ! वाह !

अभ्यास

सही शब्द से खाली जगह भरो

आप का खत आया------- **।** (आया, भागा)

खत --पढ़ा------ **गया ।** (गढ़ा, पढ़ा)

खत पढ़ कर मज़ा-- **आया ।** (मज़ा, समझ)

पाठ-7

तन मन धन

तन मन धन लगा था,
तब काम बना था।
घर बना था।
घर में धन लगा था।
मन लगा था।
तब काम बना था।
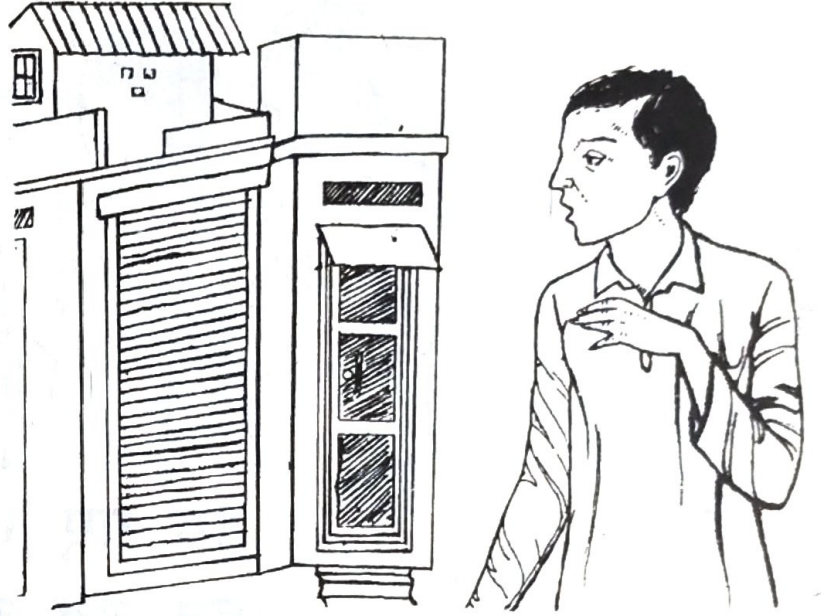
अभ्यास

एक जैसे शब्दों को लाइनों से मिलाओ :

तन	घर	मन	काम	लगा	बना
बना	तन	काम	लगा	मन	घर

पाठ-8

एकता का फल

हम गए ।

हम सब गए,

तब काम बना ।

हम सब का काम बना ।

एक जाता,

तब काम न बनता ।

अभ्यास

उत्तर लिखो :

प्र० काम कब बना ?

उ० जब हम .... ।

प्र० एक जाता, तब काम बनता ?

उ० तब काम .... ।

पाठ-9

बात कब है ?

जब तन साफ हो ।
मन साफ हो ।
घर साफ हो ।
नगर साफ हो ।
डगर साफ हो ।
शहर साफ हो ।
तब बात है ।

अभ्यास

लिखो :

नगर साफ हो । डगर साफ हो ।

....

....

पाठ-10

सच बात

हर काम का ढंग हो ।

हर काम में लगन हो ।

हर बात में वज़न हो ।

तब काम सफल हो ।

यह बात सच है न ।

अभ्यास

सही अक्षर चुनकर वाक्य पूरा करो :

हर बात का ढं.......... हो, (म, ग)

हर बात में वज़.......... हो, (न, म)

तब का.......... सफल हो । (म स)

पाठ-11

नया जमाना

हर बात का एक समय है ।
हर काम का एक समय है ।
अब समय बदल रहा है ।
जमाना बदल रहा है ।
समाज बदल रहा है ।
यह सच है न ?

अभ्यास

समय के साथ जो बदलाव आया है उस पर सही

(✓) का चिन्ह लगाओ :
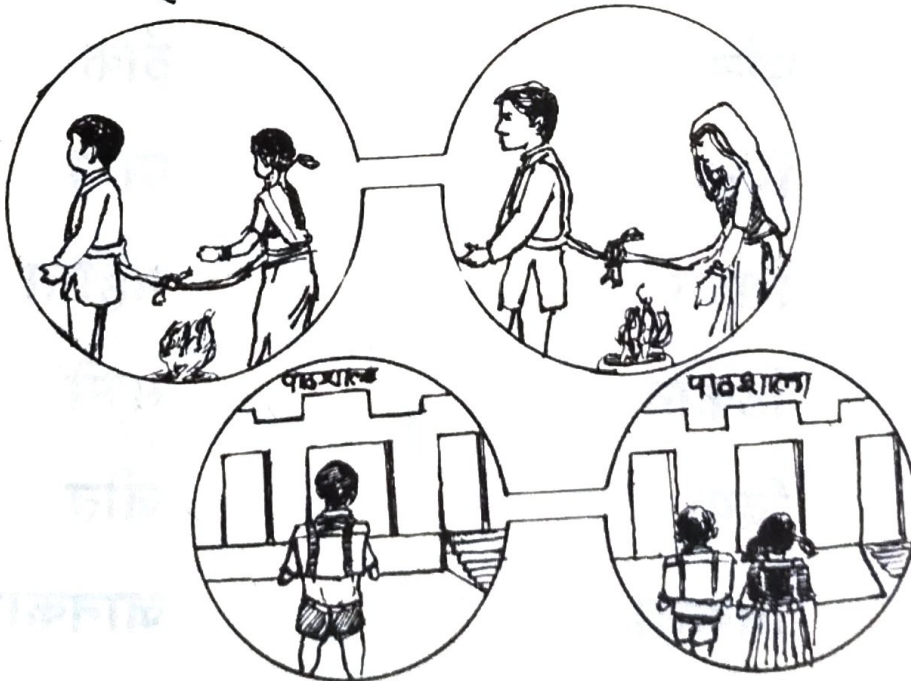
पाठ-12

इ ि ई ी

	ख	ग	घ	छ	झ	ठ	ड	त	थ
ि	खि	गि	घि	छि	झि	ठि	डि	ति	थि
ी	खी	गी	घी	छी	झी	ठी	डी	ती	थी

इ ि	ई ी
कि	की
लिख	थी
फिर	भी
मिला	कभी
पति	ठीक
पिता	पानी
शिक्षा	महीना
ठिकाना	सभी
दिया	जीत
निकला	जानकारी

पाठ-13

काम की तलाश

काम की तलाश थी ।

काम की तलाश में निकला ।

शहर गया ।

शिक्षा की कमी थी ।

ठीक एक महीना बाद काम मिला ।

फिर जान में जान आई ।

फिर ठीक खाना मिला ।

फिर ठीक पानी मिला ।

फिर ठीक ठिकाना मिला ।

फिर ठीक आराम मिला ।

फिर घरवाली भी आ गई ।
लड़की भी आ गई ।
सभी आ गए ।

अभ्यास

इ और ई की मात्रा लगा कर लिखो और पढ़ो :

	क	घ	च	ज	ठ	ध	प
ि	कि						
ी	की						

पाठ-14

उ ु ऊ ू

	घ	च	छ	त	थ	द	ध	न	प	फ
ु	घु	चु	छु	तु	थु	दु	धु	नु	पु	फु
ू	घू	चू	छू	तू	थू	दू	धू	नू	पू	फू

उ ु	ऊ ू
तुम	पूजा
सुख	डूबा
हुआ	जूता
चुप	खून
दुखी	शुरू
बहुत	भूलना
चुनाव	कूड़ा
पुकार	थूकना
कुछ	रूप
कुल	भूल
दुनिया	

पाठ-15

चुनाव

चुनाव का समय आया ।

चुनाव शुरू हुआ ।

कुछ का दिल डूबा ।

कुछ का दिल बढ़ा ।

कुछ का खून बढ़ा ।

कुछ का खून घटा ।

किसकी हार हो, किसकी जीत हो,

यह ताकत जनता की है ।

अभ्यास
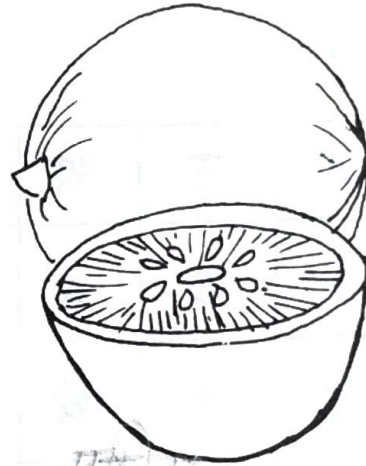
चित्रों के नाम लिखो :

पाठ-16

ए   े   ऐ   ै

पढ़ो :

	ट	ठ	थ	न	र	ल	व	श	य
े	टे	ठे	थे	ने	रे	ले	वे	शे	ये
ै	टै	ठै	थै	नै	रै	लै	वै	शै	यै

ए   े

से
के
दे
वे
मेरा
बेटा
इसे
उसे
सेहत
उसके
दहेज

ऐ   ै

है
पैर
बैल
मैल
जैसा
पैसा
पैदा
बैठा
तैयार
चैन

ऐ ै

ल	व	श	य
ले	वे	शे	ये
लै	वै	शै	यै

ऐ ै

है
पैर
बैल
मैल
जैसा
पैसा
पैदा
बैठा
तैयार
चैन

शिक्षा

रुपये पैसे से सुख मिलता है ।
सेहत से आराम मिलता है ।
शिक्षा से जानकारी मिलती है ।
बिना जानकारी न रुपया, न पैसा, न सेहत ।
आज के ज़माने में बिना शिक्षा के
रहना घाटा उठाना है ।

अभ्यास

1. पढ़ो :

मेल मैल, बेल बैल, मेला मैला, तेरा तैरा

2. खाली जगह भरो :

रुपये पैसे से .... मिलता है । (दुख, सुख)

सेहत से .... मिलता है । (आराम, आम)

शिक्षा से .... मिलती है । (जानकारी, बेकारी)

पाठ-18

ओ ो   औ ौ

	क	ड़	थ	द	फ	श	स	र	ह
ो	को	ड़ो	थो	दो	फो	शो	सो	रो	हो
ौ	कौ	ड़ौ	थौ	दौ	फौ	शौ	सौ	रौ	हौ

ओ ो	औ ौ
को	जौ
लो	लौ
हो	लौटा
तो	रौनक
देखो	चौखट
शोर	कौम
जोड़	नौकर
जोड़ती	चौकोर
रेडियो	ठौर
होगा	चौपट

पाठ-19

दुलहिन ही दहेज है

औरत घर की रौनक है ।

औरत ही घर को बनाती है ।

औरत ही रुपये पैसे जोड़ती है ।

मगर जिधर देखो दहेज दहेज की पुकार,

दहेज दहेज का शोर ।

दहेज के कारण औरत पर जुलम होता है ।

उसको सताया जाता है ।

उसको जला भी दिया जाता है ।

सच तो यह है कि "दुलहिन ही दहेज है।"

मगर इस सच को बिरला ही मानता है।

कैसी है यह दुनिया !

अभ्यास

1. लिखो :

दहेज लेना और देना अपराध है।

....

....

2. पाठ पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दो :

प्र० घर की रौनक कौन है ?

उ० ....

प्र० दहेज लेना सही है या गलत ?

उ० ....

पाठ-20

अं ं ँ		अतः :
हैं	हूँ	अतः
अंग	जहाँ	पुनः
मैं	वहाँ	
में	ऊँचा	
गंगा	रखूँ	
दोनों	सताऊँ	
नींद	मारूँ	
दूसरों	गाँव	
झंडा	माँ	
कंघा	आँख	

पाठ-21

मैं समाज का अंग हूँ

मैं समाज में रहता हूँ ।

मैं समाज का एक अंग हूँ ।

मैं अकेला किसी वन में नहीं रहता ।

अकेला रहता तो जो चाहे सो करता ।

पर मैं ऐसा नहीं कर सकता ।

मुझको तो सब का खयाल रखना है ।

मैं ऐसा नहीं कर सकता कि उधार लूँ और वापस न करूँ ।

मैं जहाँ चाहूँ वहाँ थूक नहीं सकता ।

मैं जहाँ चाहूँ वहाँ कूड़ा नहीं फेंक सकता ।

मैं ज़ोर ज़ोर से रेडियो नहीं बजा सकता ।

मैं सबकी नींद नहीं उड़ा सकता ।

मैं समाज में रहता हूँ इसलिए मनमानी नहीं कर सकता । सबका खयाल करना ही पड़ेगा ।

अभ्यास

चित्रों को ध्यानपूर्वक देखो। सही काम के नीचे "सही" और गलत के नीचे "गलत" लिखो :

---------- ---------- ----------

---------- ---------- ----------

पाठ-22
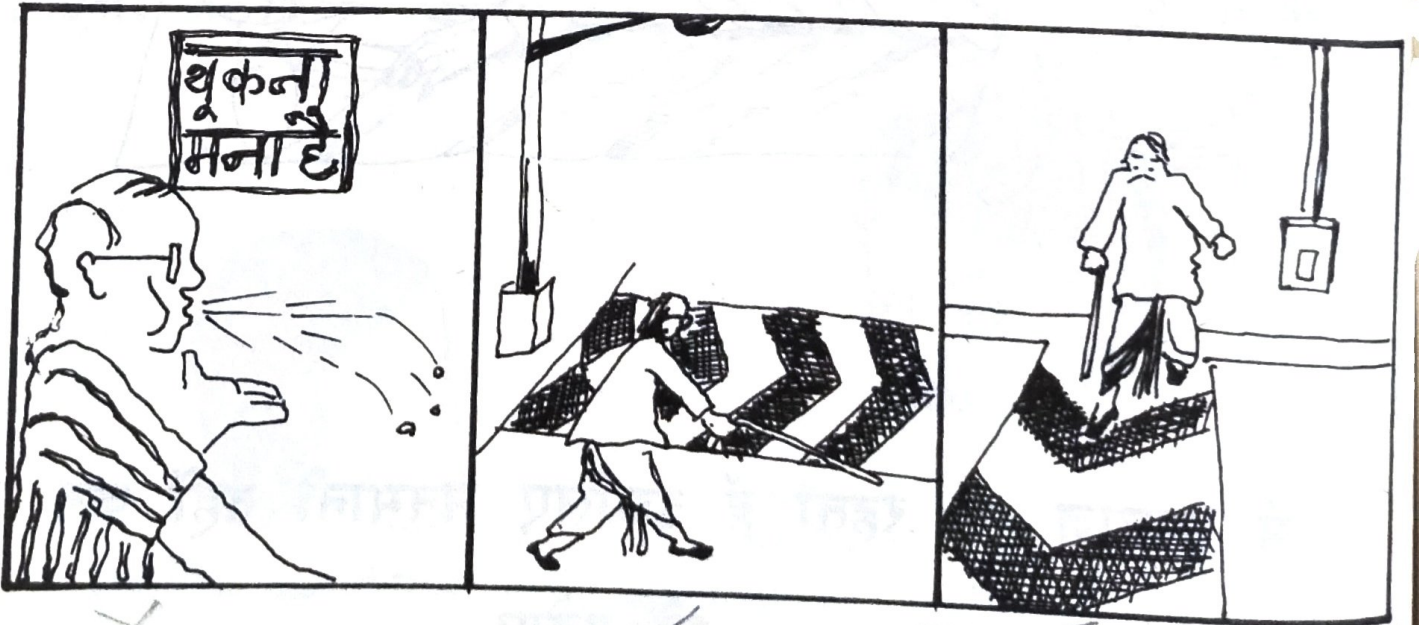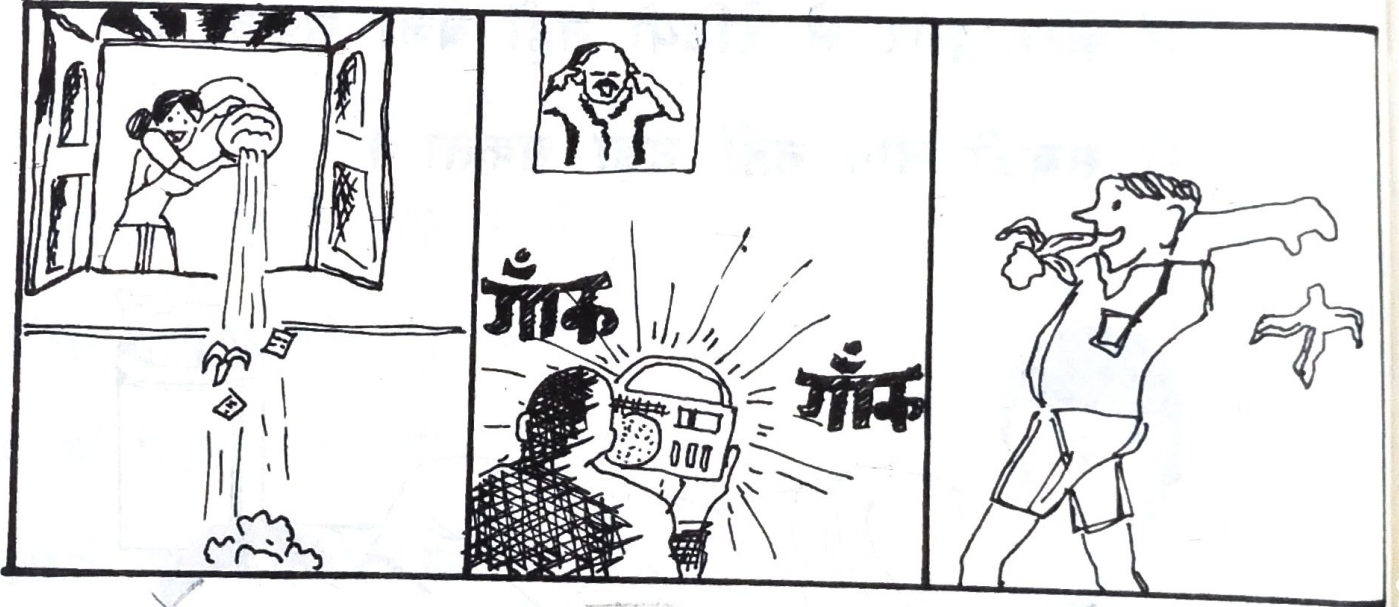
भारत
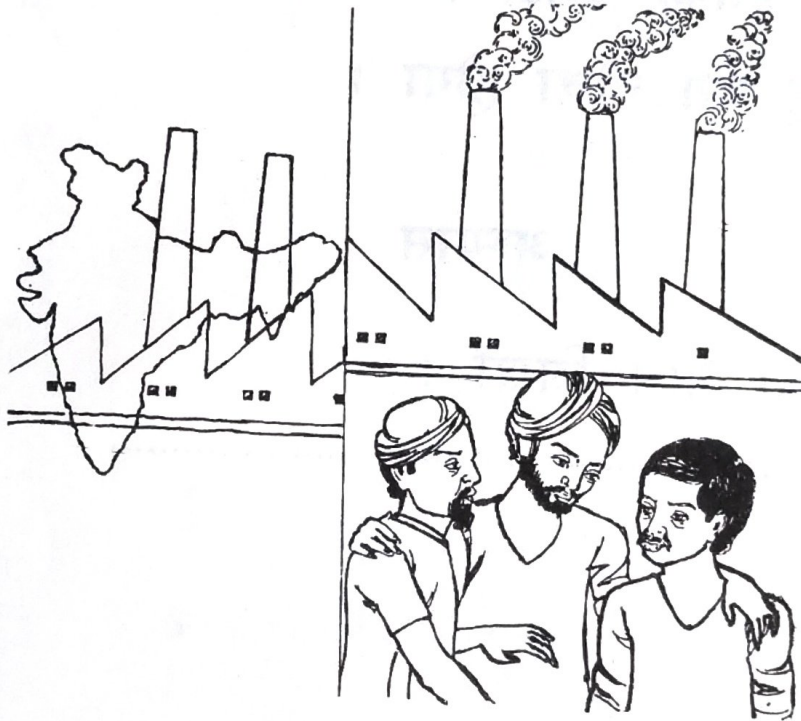
यही मेरा देश है।

यह ऊँचा उठेगा

या नीचे गिरेगा

यह मेरे हाथ में है।

मैं ठीक रहूँ।

मेरे काम ठीक रहें।

मैं दूसरों का खयाल रखूँ।

मैं किसी को सताऊँ नहीं।

मैं किसी का हक न मारूँ ।
तो यह देश ऊँचा होगा ।
मैं इसका उलटा करूँ तो
यह देश नीचा होगा ।

अभ्यास

1. अपने देश का नाम लिखो :

....

2. लिखो :

मैं दूसरों का खयाल रखूँगा ।

....

....

3. खाली जगह भरो :

यह मेरा.................. है । यह.................. उठेगा

या.................. गिरेगा यह.................. हाथ में है ।

पाठ-23
कुछ संयुक्ताक्षर

क्	क्‍	वाक्य	डाक्टर
ग्	ग्‍	भाग्य	
च्	च्‍	बच्चा	अच्छा

ज्	ण्	त्	ध्	न्
ज्‍	ण्‍	त्‍	ध्‍	न्‍
म्	श्	स्	ष्	ल्
म्‍	श्‍	स्‍	ष्‍	ल्‍

च र = र्च चर्चा, धर्म

ग् र = ग्र ग्राम

प् र = प्र प्रधान

ट् र = ट्र राष्ट्रपति

पाठ-24

चुन्नू

अच्छे सन्नाटा रास्ते स्कूल मुश्किल गर्मी
कुत्ते रिक्शेवाले सर्दी बस्ता बच्चे
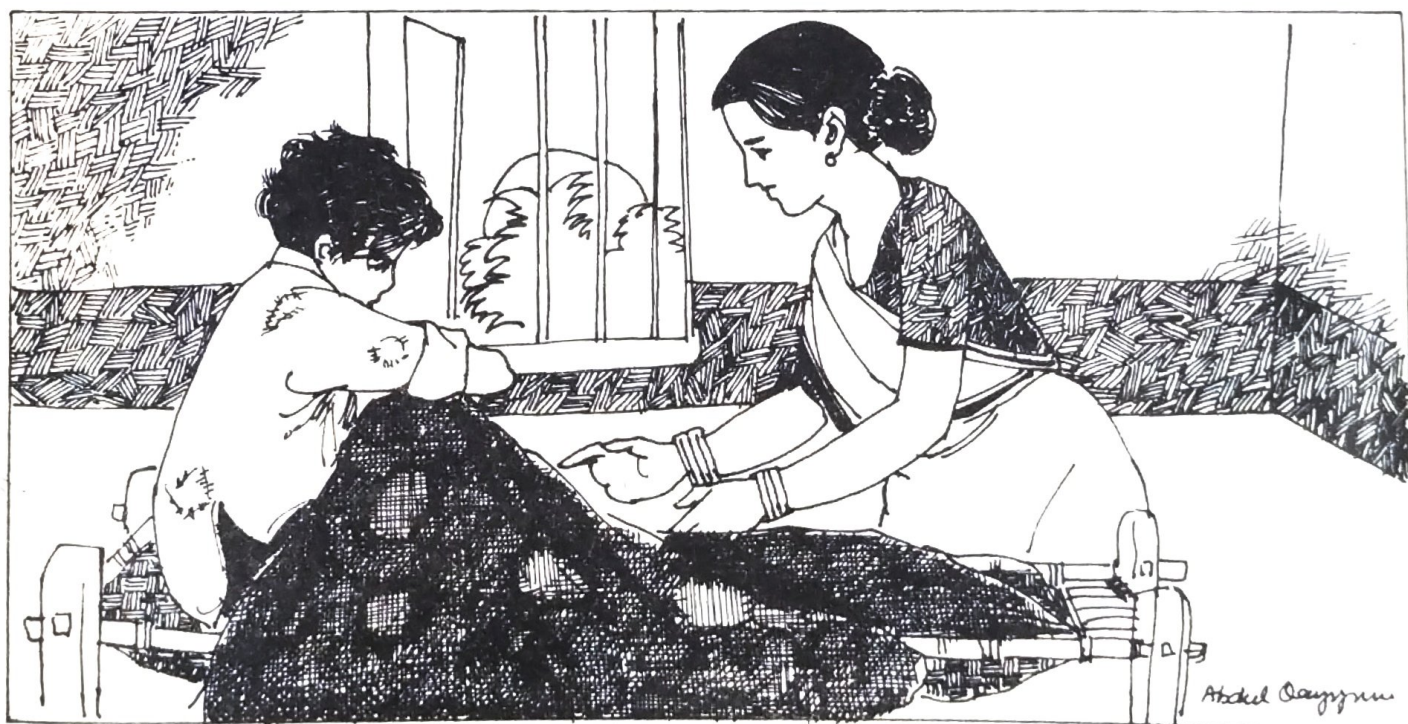
चुन्नू की आयु दस साल थी । लेकिन अभी से उस के सिर पर घर का बोझ था । गर्मी हो या सर्दी, धूप हो या बारिश माँ उसको सवेरे-सवेरे उठा देती थी । अब तो उसको सुबह उठने की आदत सी पड़ गई थी । माँ की आवाज़ सुनते ही वह उठ बैठता था ।
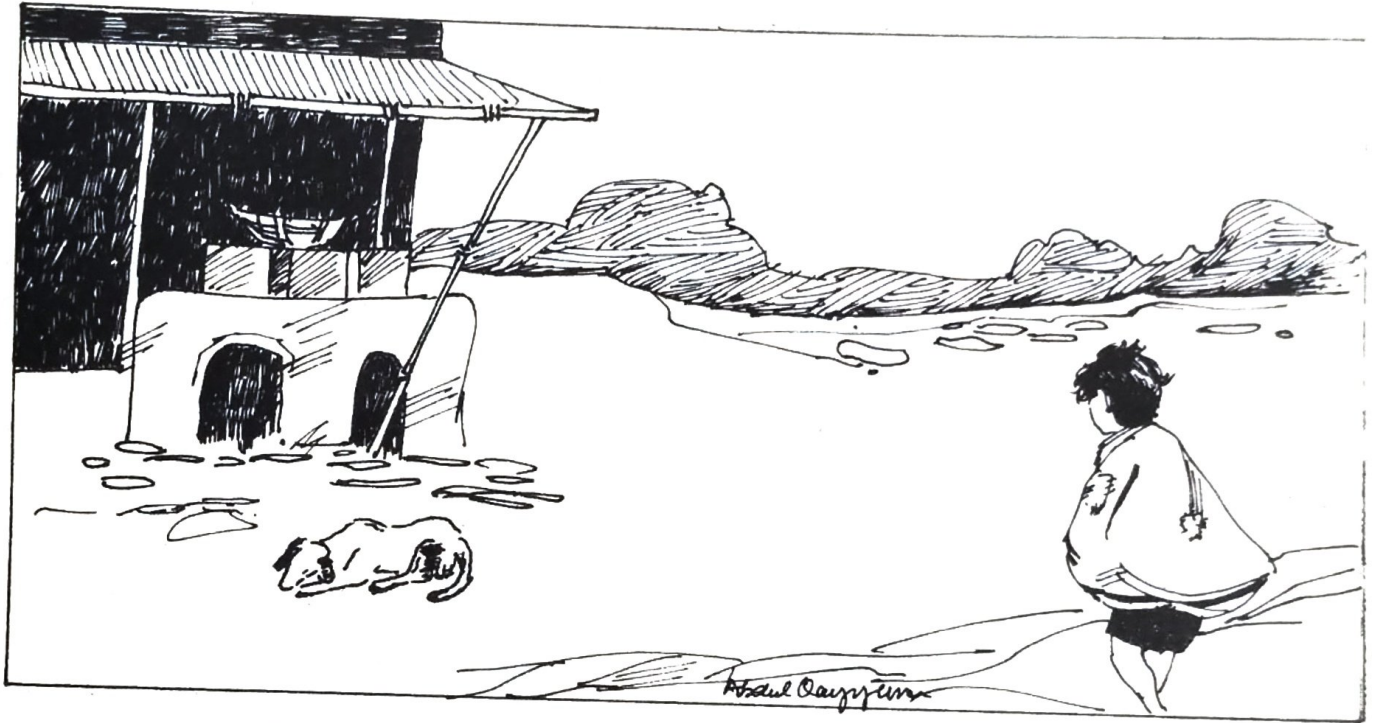
एक दिन बहुत ठंड थी। ठंड से हाथ पाँव अकड़े जा रहे थे। चुन्नू उठा। उसने अपनी फटी पुरानी चादर लपेटी और साईं के होटल की ओर चल पड़ा। रास्ते में हर तरफ सन्नाटा था। लोग लिहाफों में दुबके सो रहे थे। सड़क के कुत्ते भी दुबके पड़े थे।
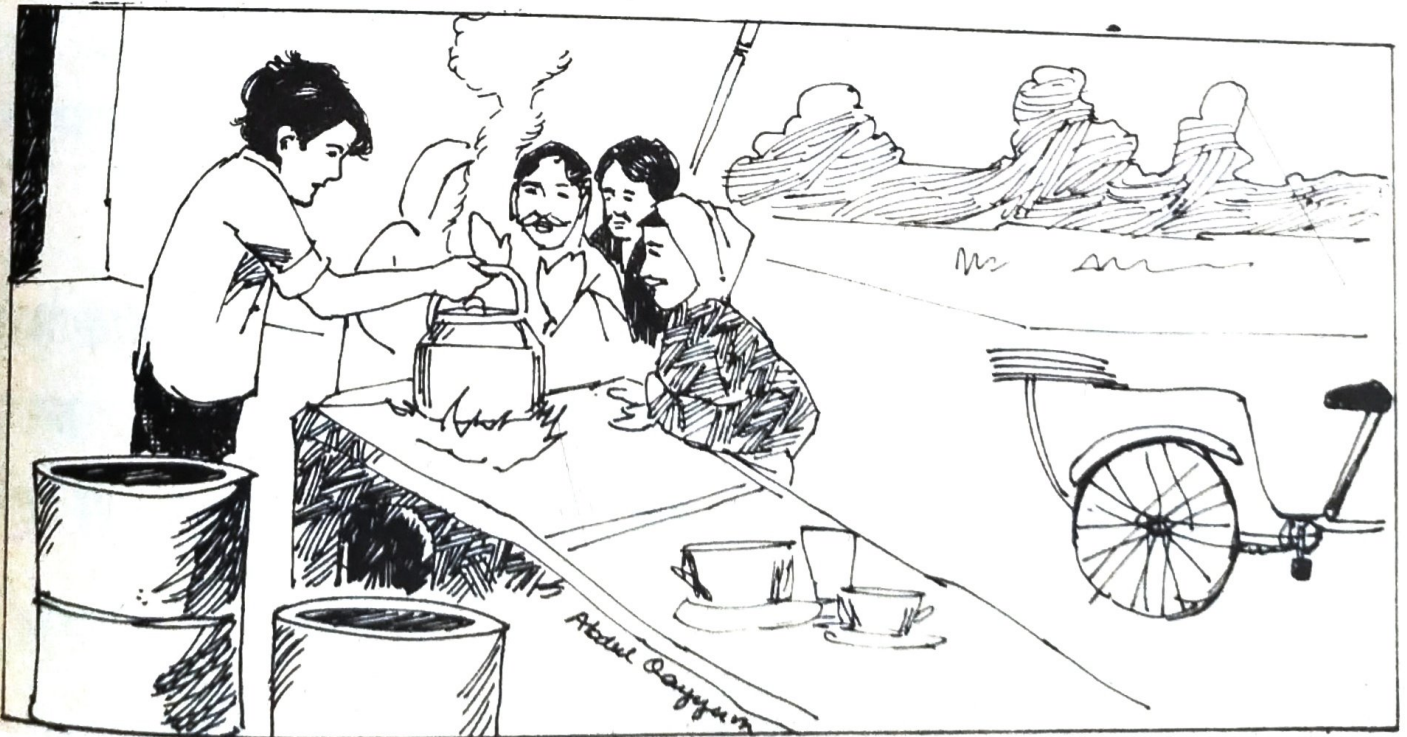
चुन्नू ने भट्ठी जलाई। गीली लकड़ियों ने बड़ी मुश्किल से आग पकड़ी। धुयें से चुन्नू की आँखें लाल हो गईं। कुछ ही देर में ठिठुरते कांपते कुछ रिक्शेवाले वहां आ गये। चुन्नू के दम से साईं का कारोबार शुरू हो गया। साईं अब भी लिहाफ से मुँह ढके गहरी नींद के मज़े ले रहा था।
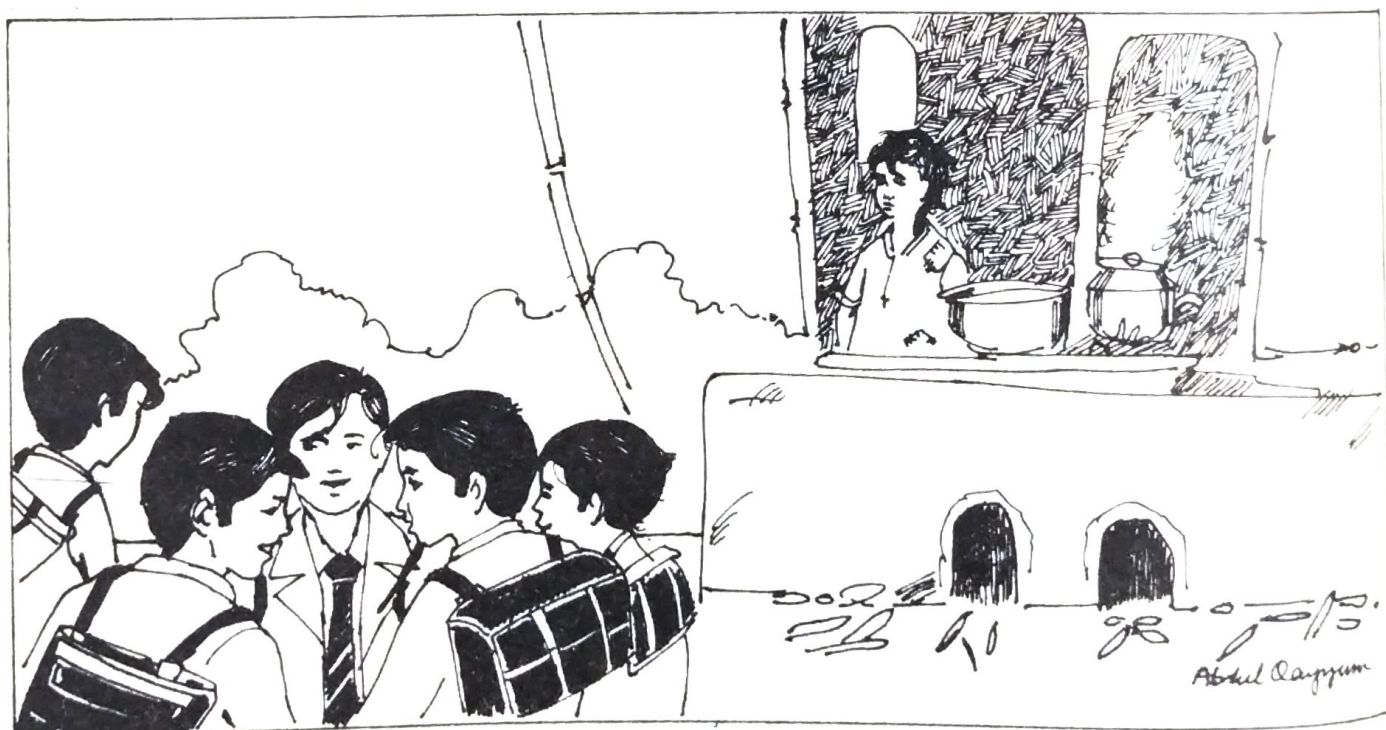
सूरज निकल आया। दिन चढ़ गया। स्कूल जाते का समय हो गया था। स्कूल के बच्चे सामने सड़क पर स्कूल बस का इन्तजार कर रहे थे। वे एक दूसरे से हंसी मज़ाक में खोये हुए थे।

उन्हें देख कर चुन्नू सपनों की दुनियाँ में खो गया। वह मन ही मन सोच रहा था कि वह भी अच्छे-अच्छे कपड़े पहने, किताबों का बस्ता पीठ पर लिये, स्कूली बस में बैठ कर स्कूल जा रहा है।

केतली में पानी उबल रहा था। देगची में से दूध उबल कर बह रहा था।

इतने में साईं बाहर आया। यह दृश्य देखकर वह क्रोध से पागल हो गया। उसने चुन्नू को एक लात जमाई-"साले सो रहा है।"

चुन्नू के सपने बिखर गये थे। स्कूल की बस जा चुकी थी।
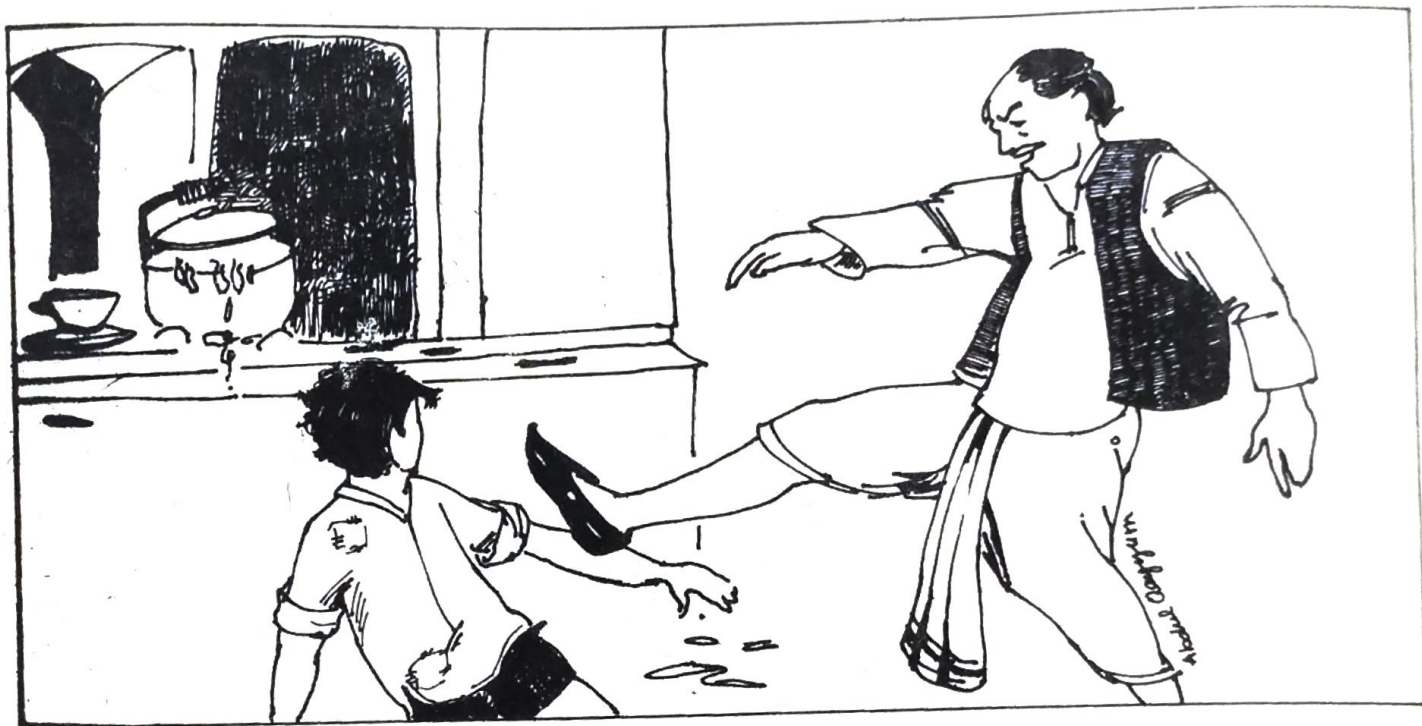
अभ्यास

प्रश्नों के उत्तर लिखो :

प्र० चुन्नू का क्या सपना था ?

उ० ....

प्र० क्या चुन्नू की आयु के बच्चों का चुन्नू जैसा जीवन बिताना ठीक है ?

उ० ....

प्र० क्या चुन्नू के माता-पिता को जिम्मेदार माता-पिता कह सकते हैं ?

उ० ....

....

पाठ-25

लक्ष्मी

तुम्हारा, खर्च, प्यार, अन्तर्यामी, तुम्हें, लक्ष्मी, बच्ची, क्या

बलराम के घर लड़की पैदा हुई थी। सब उदास बैठे थे मानो पहाड़ टूट पड़ा हो।
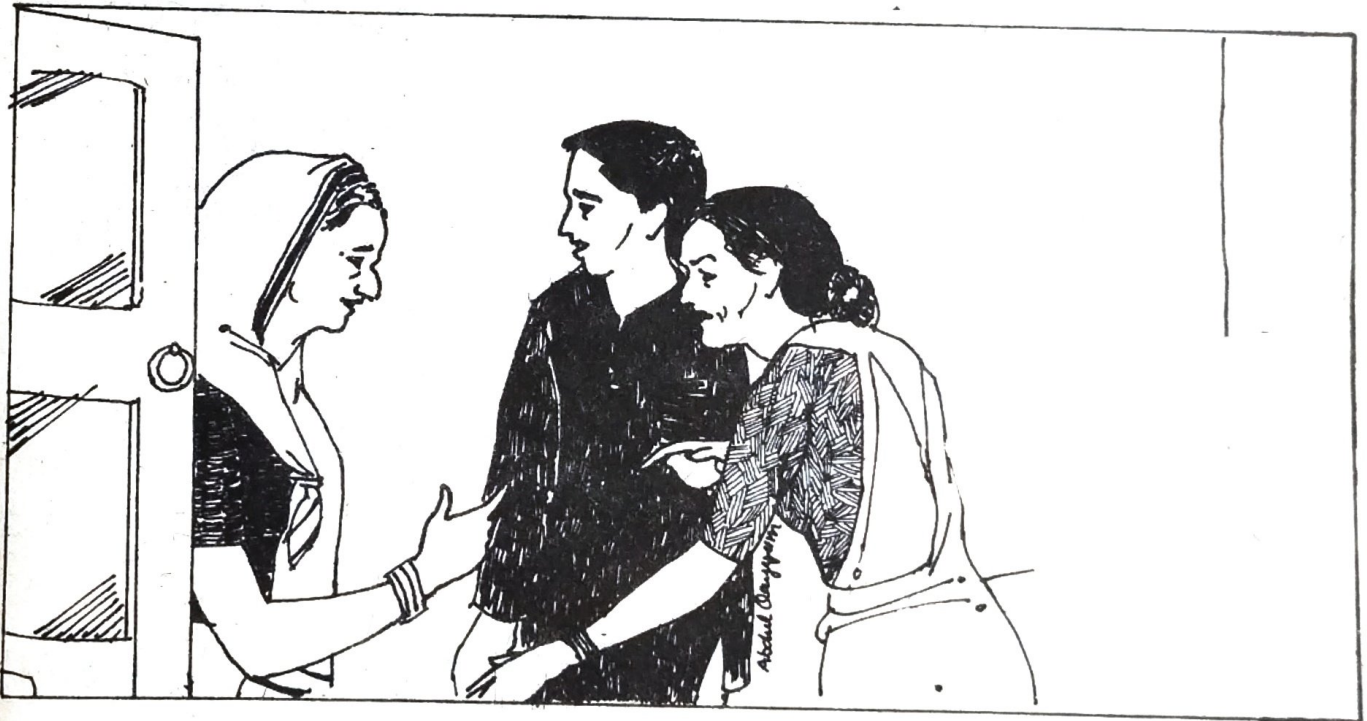
मौसी भी वहां बैठी थी। उससे चुप न रहा गया। वह बोल पड़ी, "बेटा तो ठीक ही है। लेकिन बेटी में क्या खराबी है? उसको तो घर की लक्ष्मी कहा गया है।"

बलराम : मौसी, तुम्हारी तो बातें ही निराली हैं।

मौसी : बेटा, यह निरालापन मुझको जीवन ने

सिखाया है । तुम्हारे मौसा के मरते ही तीनों बेटों ने जमीन आपस में बांट ली थी । तुम तो जानते ही हो कि मैं बेटों के साथ रह न सकी । उनके ऊपर उनके अपने परिवार का बोझ था । खर्च की तंगी की वजह से वे आपस में चक-चक करते रहते थे । मैं उनको बोझ

लगने लगी थी । वे मेरा बोझ सह न सके । आखिर किसने उठाया मेरा बोझ ?

बलराम : सब जानते हैं तुम्हारी बेटी ने तुम्हें सहारा दिया । लेकिन वह तो पढ़ी लिखी थी । रोज़गार से लग गई थी । उसका आदमी भी भला था । तुम्हें प्यार से अपने घर ले गया । दोनों कमाते थे । परिवार छोटा था । तुम्हें तो वे अपने घर की बरकत समझते थे ।

मौसी : हाँ, हाँ, और तुम तो जानते हो कि तुम्हारी यह बेटी पढ़ लिख नहीं सकेगी। उसको नौकरी नहीं मिलेगी। उसको बुरा पति मिलेगा। वह तुम्हारी कोई मदद नहीं करेगा। तुम लोग तो अन्तर्यामी भगवान हो न ? इसीलिए मुँह लटकाए बैठे हो और इसको बजाय घर की लक्ष्मी समझने के मुसीबत समझ रहे हो। सोचो बलराम, क्या तुम लोगों का ऐसा समझना इस बच्ची के साथ न्याय है ?

अभ्यास

वाक्य पूरा करो :

1. सब उदास थे क्योंकि...

   (लड़की पैदा हुई थी/लड़का पैदा हुआ था)

2. हर बेटा बुढ़ापे का सहारा...

   होता है/नहीं होता है/कोई होता है कोई नहीं होता)

3. शिक्षा लड़के और लड़की के अन्तर को...............................

   (खत्म कर देती है/बढ़ा देती है)

पाठ-26

मित्र

मनुष्य, कुल्हाड़ी, जन्तु, अचछा, क्या, पत्तियां, मिट्टी, ज्यादा

पेड़ मनुष्य के मित्र हैं। पर मनुष्य पेड़ का शत्रु है। वह पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाता ही रहता है।
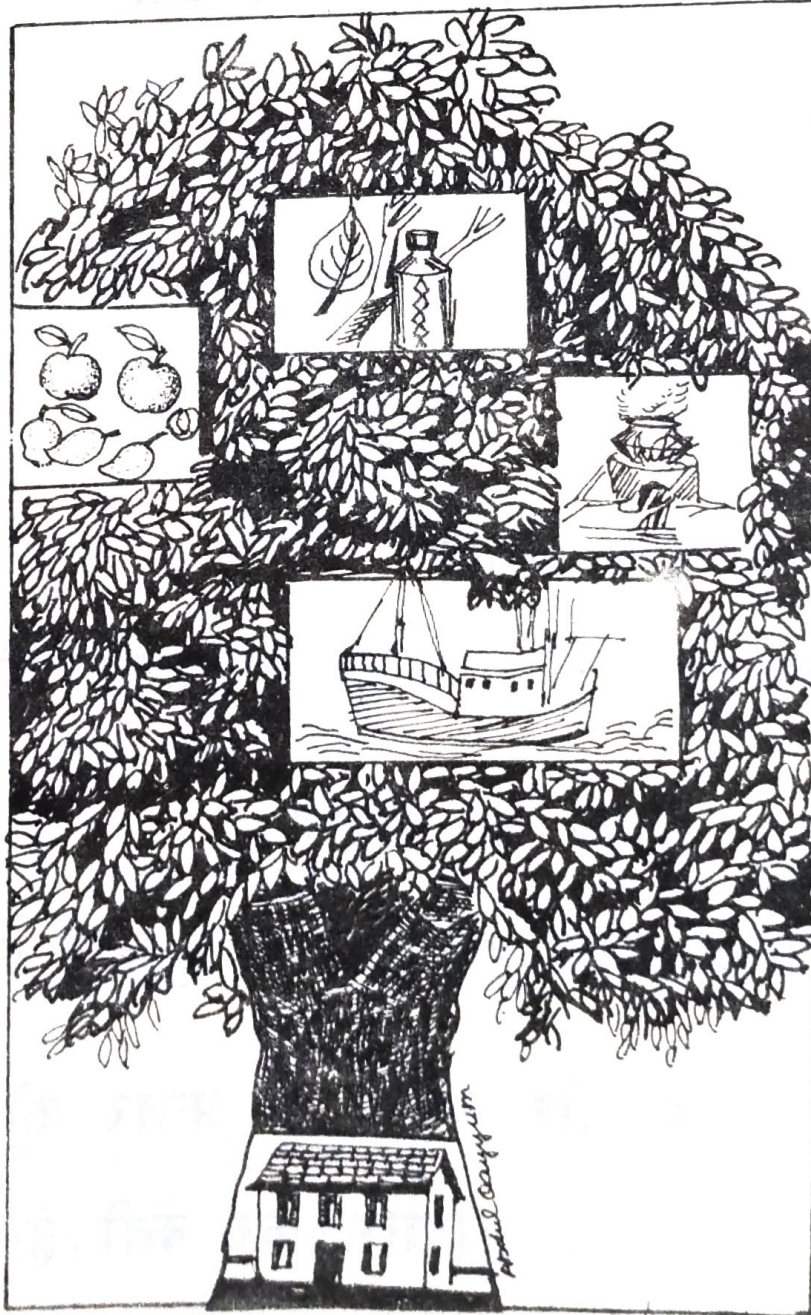
मनुष्य आग जलाने के लिए पेड़ काटता है ।

मनुष्य घर बनाने के लिए पेड़ काटता है ।

मनुष्य माचिस से लेकर जहाज़ बनाने के लिए पेड़ काटता है ।

मनुष्य शहर बसाने के लिए पेड़ काटता है ।

मनुष्य खेत बनाने के लिए पेड़ काटता है ।

पर पेड़ हमको मीठे मज़ेदार फल देते हैं । उनकी ठंडी घनी छाया सब को सुख देती है । पेड़ों से हमें दवायें भी मिलती हैं ।

इसके अलावा पेड़ धरती को ठंडा रखते हैं । उनकी हरी पत्तियाँ गंदी हवा को साफ करती हैं । उनकी जड़ें धरती को जकड़े रहती हैं । इससे उपजाऊ मिट्टी बहने नहीं पाती ।

यदि पेड़ कम हों तो बाढ़ और सूखे का खतरा ज्यादा होता है । इनकी कमी से बरसात के मौसम में बारिश भी कम होती है ।

पेड़ों पर अनेक जीव-जन्तु बसेरा करते हैं । पेड़ न होगें तो वे कहाँ जायेंगे ?

यदि हम अपनी जरूरतों को कम करें तो हमको कम पेड़ काटने पड़ेंगे। जरूरतों को कम करने का एक ही उपाय है। हम आबादी अपने बस में करें ताकि अधिक खेतों और लकड़ी की ज़रूरत ही न पड़े।
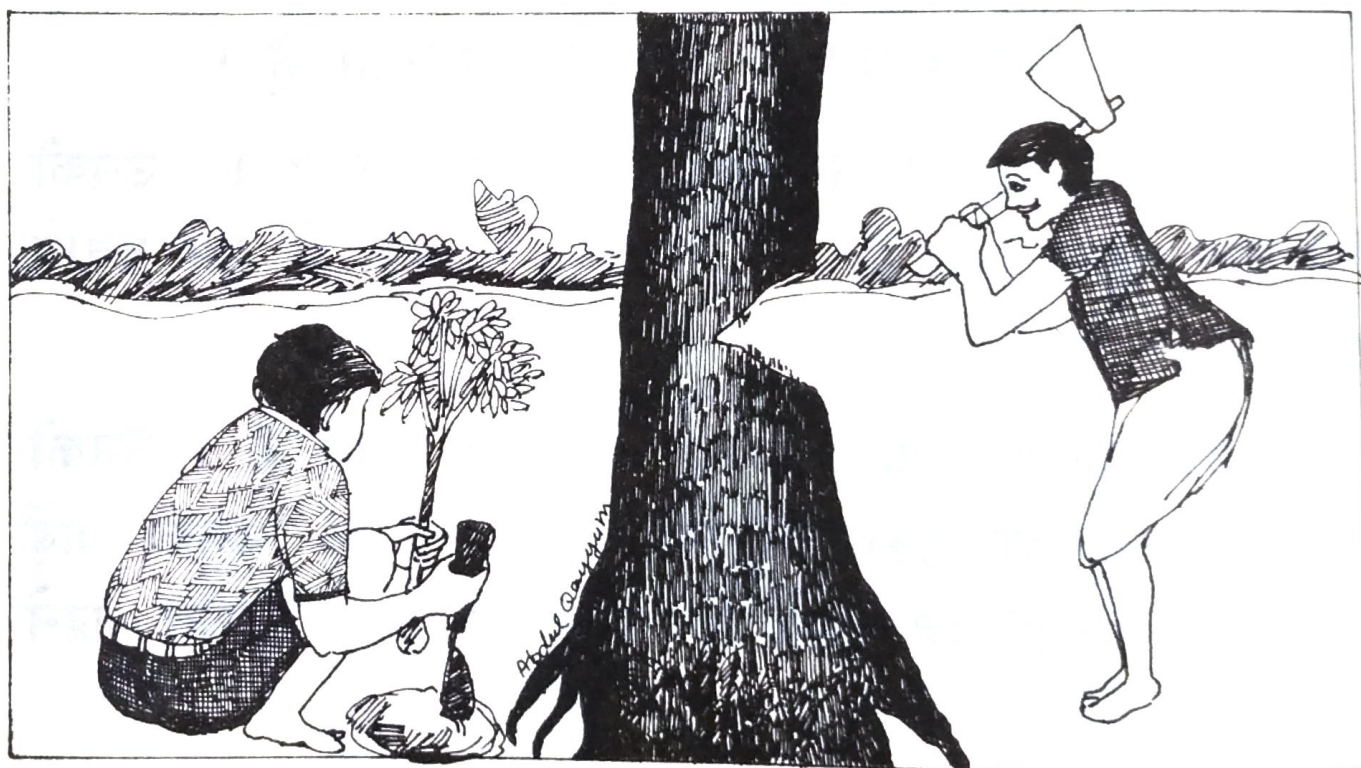
फिर भी हमें कुछ पेड़ तो काटने ही पड़ेंगे। कितना अच्छा हो यदि हम एक पेड़ काटने से पहले एक नया पौधा लगा दें ताकि उसका भी वश चले और हमारा भी।

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर लिखो :

प्र० पेड़ों से हमको क्या-क्या फायदे पहुंचते हैं ?

उ० ....

....

....

....

2. वाक्य को पूरा करो :

1. पेड़ हमको .... और .... देते हैं ।

2. पेड़ धरती को .... से जकड़े रहते है ।

3. पेड़ बाढ़ और .... रोकते हैं ।

4. आबादी ज्यादा हो तो पेड़ भी ज्यादा .... पड़ेंगे ।

5. पेड़ काटने से पहले एक नया .... लगा देना चाहिए ।

पाठ-27

विकास है मगर ....

अन्न, अस्पताल, संख्या, क्यों, जिम्मेदारी ।

विकास क्या है ?

आराम की चीजें बढ़ें, इसी को विकास कहते हैं ।

क्या हमारे देश में विकास हो रहा है ।

हां, अब अन्न की पैदावार बढ़ गई है ।

अब अस्पतालों की संख्या बढ़ गई है ।

अब बसों और रेलों की संख्या बढ़ गई है ।

अब बिजलीघरों की संख्या बढ़ गई है ।

अब कारखानों और मिलों की संख्या बढ़ गई है ।

फिर,

अनाज, मिट्टी के तेल और पानी की लाइन क्यों ?

रोगी परेशान क्यों ?

सफर करना कठिन क्यों ?

बिजली की कमी क्यों ?

बेरोजगारी क्यों ?

कहीं इसका कारण बढ़ती आबादी तो नहीं है ।

विकास तो हो रहा है लेकिन आबादी इतनी तेजी से बढ़ रही है कि विकास उसको पकड़ नहीं पाता । क्या हमको सदा इसी प्रकार दुखी रहना पड़ेगा या सुख के दिन भी आयेंगे ?

इन सुख के दिनों को लाने की जिम्मेदारी किस पर है ?

अभ्यास

प्रश्नों के उत्तर लिखो :

प्र० क्या देश में विकास हो रहा है ?

उ० ....

प्र० क्या विकास से सबको लाभ हो रहा है ?

उ० ....

प्र० विकास से सबको लाभ क्यों नहीं हो रहा है ?

उ० ....

प्र० सुख के दिन लाने की जिम्मेदारी किस पर है ?

उ० ....

....

देखो, पढ़ो और समझो :

हार्न न बजायें

U मोड़ना मना है

खतरा

आगे रास्ता नहीं है

स्कूल

अस्पताल
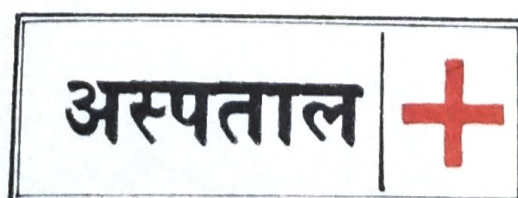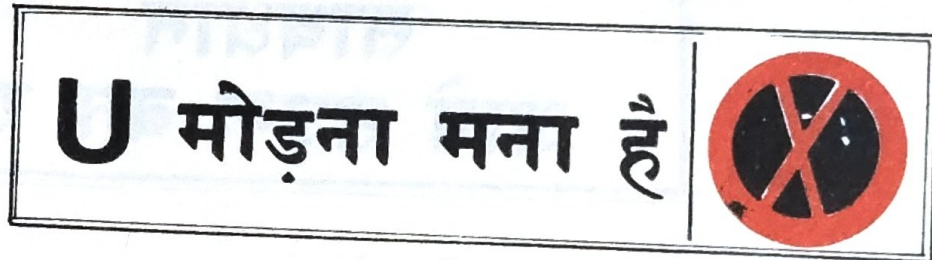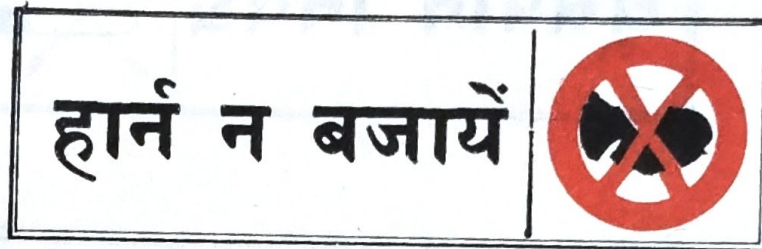
सावधान
आगे सड़क बन रही है

अपना नाम और पता लिखो :

1 ______________________

____

____

____

2 ______________________

____

____

____

हिसाब

रकम का जोड़

1. रुपये पैसे का जोड़ मामूली जोड़ की तरह होता है जैसे :

रुपया		पैसा
15	.	20
4	.	35
19	.	55

2. केवल पैसों का जोड़ :

रुपया		पैसा
0	.	75
0	.	15
0	.	20
0	.	25
1	.	35

3. जोड़ो :

रुपया		पैसा
7	.	15
5	.	00
6	.	10

रुपया		पैसा
4	.	45
3	.	25
2	.	75

रुपया		पैसा
7	.	45
2	.	30
4	.	05
6	.	40

रुपया		पैसा
3	.	80
5	.	35
1	.	55
8	.	05

रुपया		पैसा
1	.	70
3	.	30
0	.	25
0	.	45

रुपया		पैसा
0	.	50
0	.	45
0	.	70
0	.	35

रुपया		पैसा
2	.	25
9	.	05
1	.	00
6	.	25

रुपया		पैसा
0	.	25
0	.	15
0	.	05
0	.	20

रकम का घटाना

रुपये पैसे का घटाना भी मामूली घटाने की तरह होता है जैसे :

रुपया		पैसा
37	.	50
23	.	30
14	.	20

घटाओ :

रुपया		पैसा
16	.	25
8	.	05

रुपया		पैसा
35	.	20
17	.	95

रुपया		पैसा
7	.	80
6	.	75

रुपया		पैसा
38	.	65
29	.	50

रुपया		पैसा
239	.	05
145	.	45

रुपया		पैसा
130	.	85
128	.	75

नाप तोल

वज़न के नाप

1000 ग्राम = 1 किलोग्राम
100 किलोग्राम = 1 क्विंटल

लम्बाई के नाप

100 सेन्टीमीटर = 1 मीटर

पुराने नाप

12 इंच = 1 फुट
3 फुट = 1 गज़
1 गज़ 3 इंच = 1 मीटर
1 इंच = 2.5 सेन्टीमीटर

जमीन की लम्बाई चौड़ाई के नाप

1 मील = डेढ़ किलोमीटर से कुछ अधिक
1 हैक्टर = 10,000 वर्गमीटर
1 हैक्टर = 2.471 एकड़

समय के नाप

60 सेकेण्ड = 1 मिनट
60 मिनट = 1 घंटा
24 घंटा = 1 दिन रात
7 दिन = 1 सप्ताह
31 या 30 दिन = 1 माह
12 माह = 1 वर्ष

फरवरी में 28 या 29 दिन ।

अंग्रेज़ी महीनों के नाम और दिन

महीना	दिन	महीना	दिन
जनवरी	31	जुलाई	31
फरवरी	28,29	अगस्त	31
मार्च	31	सितम्बर	30
अप्रैल	30	अक्तूबर	31
मई	31	नवम्बर	30
जून	30	दिसम्बर	31

घरेलू हिसाब

घरेलू हिसाब रखने का तरीका बहुत आसान है। दाईं तरफ आमदनी और बाईं तरफ खर्च लिख लो। इसी तरह महीने भर का खर्च और आमदनी लिखो। महीने के आखिर में जोड़ कर दोनों का टोटल लिखो। आमदनी के टोटल में से खर्च का टोटल घटा दो। मालूम हो जायेगा कितनी बचत हुई।

उदाहरण :

नवम्बर 1985

खर्च			आमदनी	
तारीख	सामग्री	रकम		रकम
7	सब्जी	3.00	तनख्वाह	300.00
7	मसाले	2.80		
8	कड़वा तेल	14.00	लड़के की कमाई	250.50
10	राशन	260.00		
17	फीस और किताबें	60.00		
20	साबुन और तेल	6.00	उधार वापस	25.00
20	दवायें	5.00	मिला	
21	कपड़ा	80.00		
	पिक्चर	12.00		
	टोटल	442.80	टोटल आमदनी	575.50

टोटल आमदनी = 575.50
टोटल खर्च = 442.80
टोटल बचत = 132.70

घड़ी
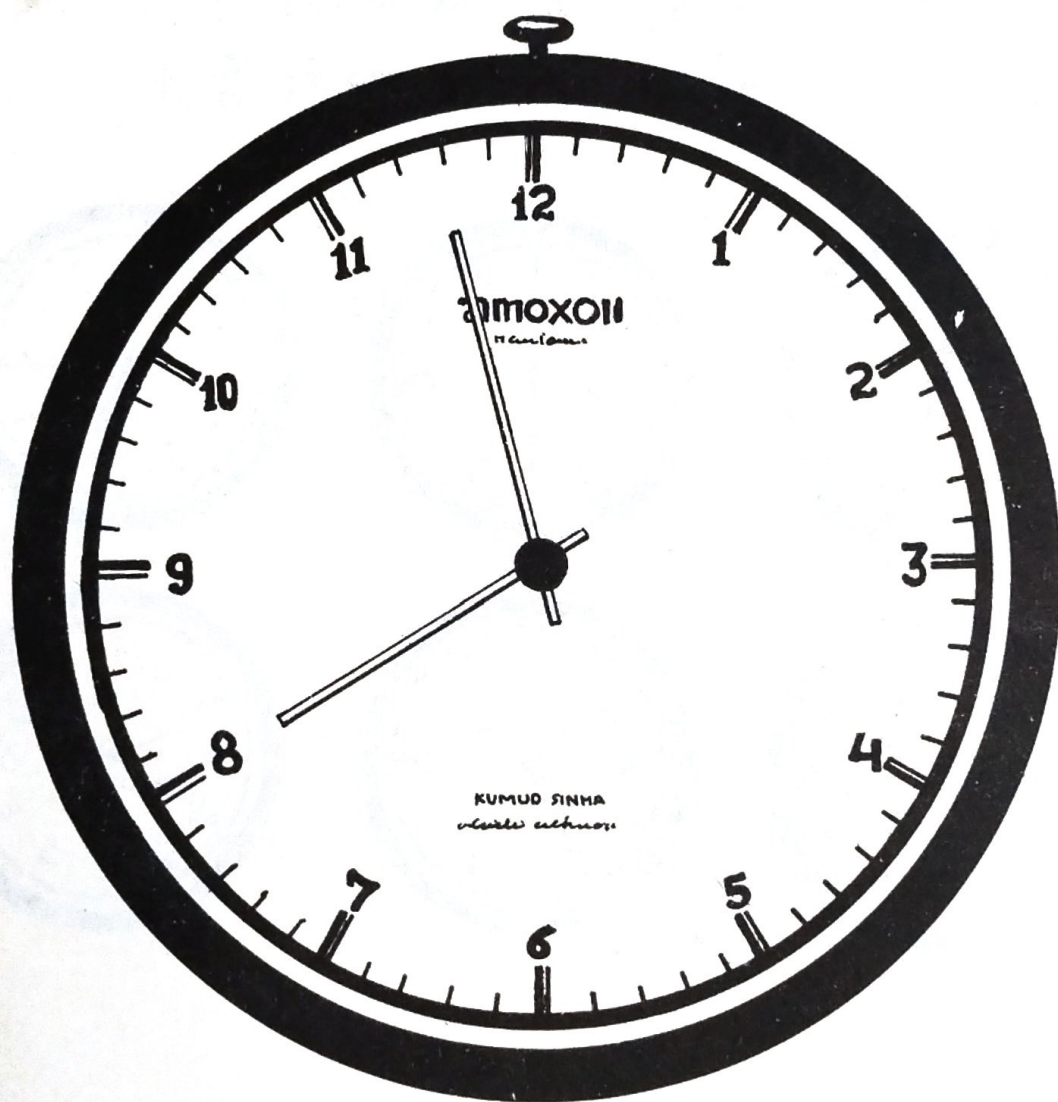
ऊपर एक घड़ी की तस्वीर बनी है। घड़ी की पूरी गोलाई 12 बराबर हिस्सों में बंटी है। इन हिस्सों पर 1 से 12 तक के नम्बर लिखे हैं। यह घंटों के नम्बर हैं।

मिनट वाली सुई एक नम्बर से दूसरे नम्बर तक 5 मिनट में जाती है । यह घड़ी की पूरी गोलाई का चक्कर एक घंटे में पूरा कर लेती है । घंटे वाली सुई एक नम्बर से दूसरे नम्बर तक एक घंटे में जाती है । यह पूरी गोलाई का चक्कर 12 घंटे में पूरा करती है ।
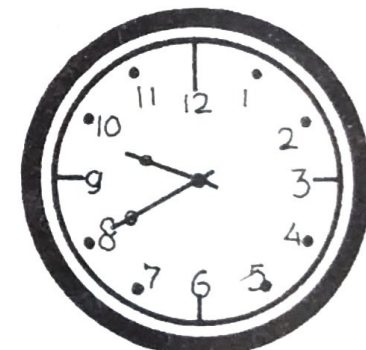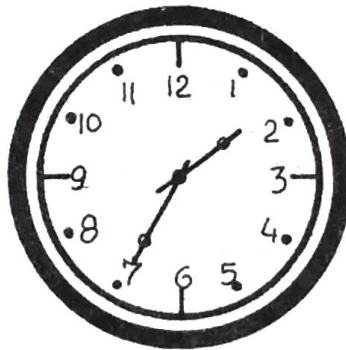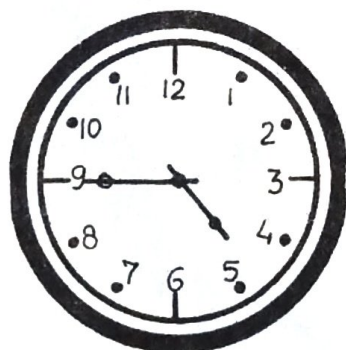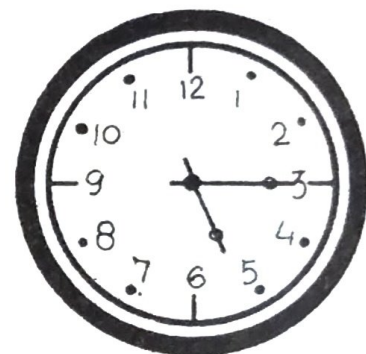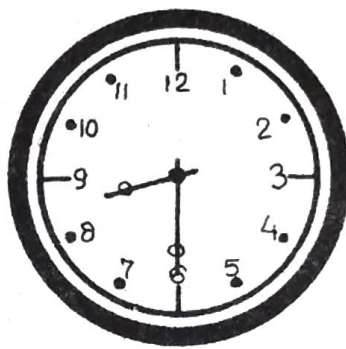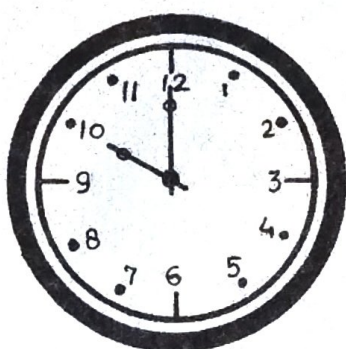
अभ्यास

बताओ ऊपर बनी घड़ियों में क्या वक्त है ?